अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 93

प्रयागराज गुरुवार 19 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

'77 फीसदी बढ़ा व्यापार घाटा'

● राहुल गांधी के निशाने पर मोदी सरकार, व्यापार घाटे के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने को लेकर घेरा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सोने के आयात में रिकॉर्ड तेजी से व्यापार घाटा एक साल पहले की तुलना में 77.56 फीसदी बढ़कर 37.84 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। राहुल गांधी ने कहा कि निष्पक्ष व्यापार के बजाय सांठ–गांठ वाले व्यवसायों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जब व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाता है तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, खपत कम होने से महंगाई बढ़ जाती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को व्यापार घाटा और आयात बढ़ने को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने कहा कि निष्पक्ष व्यापार के बजाय सांठ–गांठ वाले व्यवसायों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके चलते विनिर्माण क्षेत्र कमजोर हो रहा है और मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाता है तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, खपत कम होने से महंगाई बढ़ जाती है। एक्स पर व्यापार घाटा और आयात अब तक के उच्चतम स्तर पर लिखी एक पोस्ट को टैग करते हुए राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्या होगा जब सरकार निष्पक्ष व्यापार की बजाय मित्रवत व्यापार को प्राथमिकता देगी? इसका परिणाम कमजोर विनिर्माण क्षेत्र, कमजोर होती मुद्रा, रिकॉर्ड उच्च व्यापार घाटा, उच्च ब्याज दरें, घटती खपत और बढ़ती मुद्रास्फीति होगा। व्यापार घाटा और आयात निष्पक्ष व्यापार की अनदेखी के चलते हो रहा है। 77 फीसदी बढ़ा व्यापार घाटा देश से वस्तुओं का निर्यात अक्तूबर में दहाई अंकों में बढ़ने के बाद नवंबर, 2024 में सालाना आधार पर 4.85 फीसदी घटकर 32.11 अरब डॉलर रह गया।

आंबेडकर मुद्दे पर पीएम मोदी का पलटवार

नेहरू ने उनके खिलाफ किया प्रचार

● संसद में कांग्रेस का काला इतिहास उजागर, इसलिए नाटकबाजी में जुटे, अमित शाह को मिला पीएम मोदी का साथ

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, श्संसद में गृह मंत्री ने डॉ. आंबेडकर का अपमान करने और एससी–एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। कांग्रेस इससे स्पष्ट रूप से आहत और स्तब्ध हैं। यही कारण है कि वे अब नाटकबाजी कर रहे हैं। दुख की बात है। लोग सच्चाई जानते हैं।श बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर विपक्ष के हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार किया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जोरदार हमले करते हुए कहा कि कांग्रेस आंबेडकर का अपमान छिपा नहीं सकती। बाबासाहेब के लिए हमारा सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने श्एक्सश एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा, श्अगर कांग्रेस और उसका बेकार हो चुका तंत्र यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ उनके कई सालों के कुकर्मों खासकर डॉ. आंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छिपा सकते हैं, तो वे बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं। भारत के लोगों ने बार–बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ. आंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी–एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है। पीएम मोदी ने कांग्रेस के पापों की सूची गिनाई पीएम मोदी ने आगे लिखा, श्डॉ. आंबेडकर के प्रति कांग्रेस के पापों की सूची में शामिल हैं– उन्हें एक बार नहीं, बल्कि दो बार चुनावों में हराना। पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाया। उन्हें भारत रत्न देने से इनकार करना। संसद के सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर को गौरवपूर्ण स्थान न देना।श श्एससी और एसटी के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं कियाश उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एससी–एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उनके शासन में ही हुए हैं।

महाकुंभः भ्रमक प्रचार से बचे

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया आउटलेट ऐसी खबरें प्रसारित कर रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। भारतीय रेलवे इन रिपोर्टों का स्पष्ट रूप से खंडन करता है, क्योंकि वे पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं। भारतीय रेलवे के नियमों और विनियमों के तहत वैध टिकट के बिना यात्रा करना सख्त वर्जित है और बिना टिकट यात्रा करना एक दंडनीय अपराध है। महाकुंभ मेले या किसी अन्य अवसर के दौरान मुफ्त यात्रा का कोई प्रावधान नहीं है। भारतीय रेलवे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों की संभावित बढ़ती भीड़ को प्रबंधित करने के लिए विशेष होल्डिंग क्षेत्रों, अतिरिक्त टिकट खिड़कियों और अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

महाजन फायरिंग रेंज में तोपाभ्यास के दौरान बम विस्फोट, दो सैनिकों की मौत, एक घायल

बीकानेर,(एजेंसी)। बीकनेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तोपाभ्यास के दौरान बम फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सैनिक को सूरतगढ़ के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीकनेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तोपाभ्यास के दौरान बम फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सैनिक को सूरतगढ़ के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा चार्ली सेंटर पर हुआ, जहां सैन्य अभ्यास चल रहा था। घटना की सूचना पर सैन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। महाजन थाना प्रभारी कश्यप सिंह ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की जांच की जा रही है। फायरिंग रेंज में हुए इस हादसे से सेना में शोक की लहर है।

'संविधान ग्रंथ तो अंबेडकर भगवान'

● अमित शाह के खिलाफ विपक्ष का संसद भवन में प्रदर्शन

● आंबेडकर का नाम लेना फैशन... वाले बयान पर हंगामा, कांग्रेस ने अमित शाह को घेरा, भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया है और आरोप लगाया है कि कांग्रेस अमित शाह के भाषण का वीडियो कांट–छांट कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रही है और सस्ती राजनीति कर रही है। क्या है पूरा मामला दरअसल संविधान पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि श्अभी एक फैशन हो गया है। आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। आंबेडकर का नाम सौ बार लें, लेकिन आंबेडकर के बारे में कांग्रेस पार्टी का भाव क्या है, ये मैं बताता हूं।श शाह ने कहा कि श्डॉ. आंबेडकर ने देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों दे दिया था। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों से व्यवहार, अनुच्छेद 370 और देश की विदेश नीति से नाराजगी के चलते इस्तीफा दे दिया था। इस पर बीसी रॉय ने पंडित नेहरू को चिट्ठी लिखी कि आंबेडकर और राजाजी मंत्रिमंडल छोड़ेंगे तो क्या होगा? इसके जवाब में पंडित नेहरू ने लिखा था कि राजाजी के जाने से कुछ असर पड़ेगा, लेकिन आंबेडकर के जाने से कुछ नहीं होगा।श शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस के आंबेडकर के बारे में ये विचार रहे हैं। आज आंबेडकर को मानने वाले पर्याप्त संख्या में आ गए हैं इसलिए ये आंबेडकर–आंबेडकर कर रहे हैं। वोटबैंक के लिए कांग्रेस नेता आजकल आंबेडकर का नाम बार–बार लेते हैं। कांग्रेस ने लगाए आंबेडकर का अपमान करने के आरोप अमित शाह के बयान को कांग्रेस ने आंबेडकर का अपमान बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तो इस मुद्दे पर अमित शाह का इस्तीफा मांग लिया है। अमित शाह की टिप्पणी पर बुधवार को संसद में खासा हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में हाथों में आंबेडकर की तस्वीर लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

जेपीसी में प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव देगी कांग्रेस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जेपीसी में 31 सांसद शामिल हो सकते हैं, जो विधेयक की समीक्षा करेंगे। 31 सदस्यों में से 21 सदस्य लोकसभा से होंगे।

गठन के बाद 90 दिनों के भीतर समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। एक देश एक चुनाव विधेयक पर विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी का गठन किया जा रहा है। इस जेपीसी में कांग्रेस, प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव दे सकती है। प्रियंका गांधी के अलावा इस समिति में मनीष तिवारी, सुखदेव भगत रणदीप सुरजेवाला के नाम की भी चर्चा है। गौरतलब है कि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में एक देश एक चुनाव विधेयक पेश किया था। जेपीसी में 31 सदस्य होंगे सहमति के बाद इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया है। अब जेपीसी गठन की तैयारी शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेपीसी में 31 सांसद शामिल हो सकते हैं, जो विधेयक की समीक्षा करेंगे। 31 सदस्यों में से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सांसद राज्यसभा से होंगे। गठन के बाद 90 दिनों के भीतर समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। हालांकि समयसीमा को बढ़ाया भी जा सकता है। जेपीसी का अध्यक्ष भाजपा का होगा जेपीसी के लिए राजनीतिक पार्टियों से अपने सांसदों के नाम देने के लिए कहा गया है। किस पार्टी से कितने सांसद होंगे, अभी ये तय नहीं है।

60 साल से ऊपर बुजुर्गों का मुफ्त इलाज

● चुनाव से पहले केजरीवाल की तीसरी बड़ी घोषणा, महिलाओं–ऑटोवालों के लिए ऐलान कर चुके

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रामायण में एक कहानी पढ़ते हैं न जब लक्ष्मण मूर्छित हुए थे तो हनुमान जी उनके लिए संजीवनी बूटी लेकर आए थे। आज दिल्ली के बुजुर्गों के लिए मैं संजीवनी योजना का ऐलान करने जा रहा हूं। आम आदमी पार्टी की यह योजना मुख्य रूप से बुजुर्गों के स्वास्थ्य और पेंशन पर केंद्रित होगी। संजीवनी योजना के तहत बुजुर्ग पेंशन बढ़ाई जा सकती है। दिल्ली के हमारे सभी बुजुर्गों के लिए खुशखबरी। दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों का इलाज मुफ्त होगा। ये केजरीवाल की गारंटी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुढ़ापे में एक चीज सभी को तकलीफ देती है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है वैसे वैसे 100 बीमारियां आदमी को आकर घेर लेती हैं। सबसे बड़ी चिंता इलाद की होती है। ऐसे लोगों को भी जानता हूं जो अच्छे खासे परिवार से आते हैं। लेकिन उनके बच्चे उनका ख्याल नहीं रखते हैं। बुढ़ापे में मैंने अच्छे अच्छे परिवार के मां–बाप, बुजुर्गों को तड़पते देखा है। मां–बाप को उनके बच्चों ने छोड़ दिया। लेकिन आप चिंता मत करना आपका ये बेटा अभी जिंदा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रामायण में एक कहानी पढ़ते हैं न जब लक्ष्मण मूर्छित हुए थे तो हनुमान जी उनके लिए संजीवनी बूटी लेकर आए थे। आज दिल्ली के बुजुर्गों के लिए मैं संजीवनी योजना का ऐलान करने जा रहा हूं। आम आदमी पार्टी की यह योजना मुख्य रूप से बुजुर्गों के स्वास्थ्य और पेंशन पर केंद्रित होगी। संजीवनी योजना के तहत बुजुर्ग पेंशन बढ़ाई जा सकती है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मैं देख रहा हूं कि दिल्ली के कोने कोने से सम्मानित बुजुर्ग हमारे बीच आए हुए हैं। आज मैं जो घोषणा करने जा रहा हूं वो शायद भारत के इतिहास में कभी घोषणा नहीं की गई। केजरीवाल ने कहा कि हम बुजुर्गों का बहुत मान सम्मान करते हैं और आपकी वजह से आज हम हैं। देश को आप ही लोगों ने यहां तक पहुंचाया। 24 घंटे मेहनत करके अपने परिवार को पाला और समाज व देश को आगे बढ़ाया। अब बुढ़ापे में हमारा फर्ज बनता है कि हम आपका ख्याल रखें। हमने दिल्ली में श्रवण कुमार से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा शुरु की। इस योजना के तहत अब तक एक लाख बुजुर्ग देश के कोने कोने में तीर्थ यात्रा कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 128 पृष्ठों की सारांश वाली याचिका, आश्चर्यचकित हुए न्यायाधीश

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने वैवाहिक विवाद के एक मामले में एक महिला की ओर से दायर याचिका का 128 पृष्ठों का सारांश देख आश्चर्य व्यक्त कियाद और अपीलकर्ता अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद तथ्यों के आधार पर उनकी अपील खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने भरण–पोषण याचिका को निचली अदालत में वापस भेजने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली महिला की याचिका पर सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को निर्देश दिया है कि वे इस बात पर ध्यान दें कि उनके (शीर्ष अदालत की पीठ के) समक्ष याचिकाएं उचित प्रारूप में दाखिल हों।

पीठ ने 17 दिसंबर को अपने इस आदेश में कहा, "व्यक्तिगत रूप से पेश हुईं अपीलकर्ता ने 128 पृष्ठों का एक सारांश दाखिल किया है, जिसमें बहुत सारे विवरण हैं। इसमें अधिकांश हमारे उद्देश्यों के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। हम समझते हैं कि अपीलकर्ता एक प्रशिक्षित वकील नहीं है, लेकिन रजिस्ट्री को अपीलकर्ता से सारांश को छोटा करने के लिए कहना चाहिए। सारांश 128 पृष्ठों का नहीं हो सकता!" शीर्ष अदालत ने महिला को व्यक्तिगत रूप से सुनने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2019 के आदेश के खिलाफ उसकी याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत रखरखाव के लिए उसकी याचिका को आगरा के परिवार न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश द्वारा योग्यता के आधार पर तय करने के लिए भेजा गया था। पीठ ने वर्तमान मामले में उल्लेख किया कि पिछली कुछ तारीखों पर अपीलकर्ता ने शीर्ष अदालत को मामले के लंबे इतिहास से रूबरू कराया है। अपीलकर्ता की शादी प्रतिवादी से वर्ष 2006 में हुई थी और बाद में वह वर्ष 2016 में क्रूरता के आधार पर तलाक की डिक्री प्राप्त करने में सफल रही। पीठ ने महिला की अपील खारिज करते हुए कहा, "हमें ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि हमें विवादित आदेश में हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए। उक्त आदेश अपीलकर्ता के पक्ष में है। इसके अलावा इसने केवल पारिवारिक न्यायालय आगरा को मामले को नए सिरे से तय करने का निर्देश दिया है।

पंजाब में किसानों ने रेलवे ट्रैक खाली किए

● मांगों के समर्थन में किसानों ने पंजाब में तीन घंटे रोकी ट्रेनें, परेशान होते रहे यात्री

चण्डीगढ़–पंजाब,(एजेंसी)। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब के लोगों से आज रेल रोको आंदोलन में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने पंजाब के सभी 13000 गांवों के लोगों से अनुरोध किया था कि वे रेलवे ट्रैक, नजदीकी रेलवे क्रॉसिंग और रेलवे स्टेशनों को दोपहर 12 से 3 बजे तक बंद कर दें। पंजाब–हरियाणा की सीमा पर शंभू–खनौरी बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसानों के हक में आज पूरे पंजाब में रेलें रोकी गई। हर जिले में किसान दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक रेल पटरियों पर बैठे। लुधियाना के साहनेवाल में किसानों के रेलवे ट्रैक पर बैठने के कारण दिल्ली–अमृतसर–दिल्ली मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही थम गई। शान ए पंजाब एक्सप्रेस, कर्मभूमि एक्सप्रेस, सियालदाह एक्सप्रेस और दादर एक्सप्रेस सहित 4 यात्री ट्रेनें लुधियाना स्टेशन पर खड़ी रही। कई ट्रेनें सिग्नल के इंतजार में फिल्लौर, फगवाड़ा, जालंधर, ब्यास तथा खन्ना, सरहिंद, राजपुरा व अंबाला के नजदीक खड़ी रही। किसान नेता

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को 22 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार अभी तक किसानों से बात नहीं की। मोदी सरकार किसानों के मुद्दों को डीरेल करना चाहती है। पंधेर ने कहा कि कुछ मीडिया वालों की तरफ से किसानों की दोनों यूनियनों को अलग–अलग बताया जा रहा है, जोकि सरासर झूठी अफवाहें फैला रहे हैं। किसान एकजुट हैं और मिलकर लड़ाई लड़ रहे हैं। पंधेर ने आरोप लगाया कि विपक्ष किसानों की आवाज संसद में नहीं उठा रहा है, जिससे किसानों की समस्याएं अनसुनी हो रही हैं। पंधेर ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी सवाल उठाया और पूछा कि वे किसानों के लिए क्या कर रहे हैं? पंजाब में आज यहां रोकी जा रहीं ट्रेनें जिला मोगा का जितवाल, डगरू, मोगा स्टेशन जिला फरीदकोट का फरीदकोट स्टेशन जिला गुरदासपुर का प्लेटफॉर्म कादिया, फतेहगढ़ चूड़ियां, बटाला प्लेटफॉर्म जिला जालंधर का लोहियां खास, फिल्लौर, जालंधर कैंट, ढिल्लवां जिला पठानकोट का परमानंद प्लेटफॉर्म जिला होशियारपुर का टांडा, दसूहा, होशियारपुर प्लेटफॉर्म, मडियाला और माहिलपुर जिला फिरोजपुर का मखू, मलां वाला, तलवंडी भाई, बस्ती टैंकां वाली, जगरांव जिला लुधियाना का साहनेवाल। जिला पटियाला कारेलव स्टेशन पटियाला, शंभू स्टेशन जिला मोहाली का रेलवे स्टेशन फेस 11 मोहाली जिला संगरूर का सुनाम जिला मलैरकोटला का अहमदगढ़ जिला मानसा का मानसा मेन, बरेटा जिला रूपनगर का रेलवे स्टेशन।

भरोसा जीतना होगा

पिछले करीब डेढ़ साल से हिंसा की कभी तेज तो कभी धीमी होती आंच में जलते मणिपुर को राहत मिलने के कोई आसार नहीं दिख रहे। जिरीबाम में पिछले एक सप्ताह के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं ने एक बार फिर राज्य में तनाव काफी बढ़ा दिया है।

अतिरिक्त बलों की तैनाती रू इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने हालांकि तत्काल केंद्रीय सशस्त्र बलों (ब्।च्थ्) की 20 अतिरिक्त कंपनियां हवाई मार्ग से भेज दीं। लेकिन राज्य में भारी संख्या में सुरक्षा बल पहले से तैनात हैं। वहां ब्त्च्थ् की 115 कंपनियां और ठैथ् की 84 कंपनियां तो हैं ही, इसके अलावा त्।थ्ए ठ और प्ज्ठच् की भी कंपनिया तैनात हैं। राज्य पुलिस और सेना के जवान इसके अतिरिक्त हैं। जाहिर है, इतने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद अगर हालात काबू में नहीं आ रहे तो मामला सिर्फ सुरक्षा बलों की संख्या का नहीं, कुछ और भी है।

कार्रवाई का असर नहीं रू अगर पिछले एक सप्ताह के घटनाक्रम पर गौर करें तो भी यह साफ हो जाता है कि प्रशासनिक कार्रवाइयों का वैसा असर नहीं दिख रहा जैसा कि होना चाहिए। हिंसा का ताजा दौर प्रदेश के जिरीबाम जिले में गुरुवार को एक 31 वर्षीया महिला की हत्या के बाद शुरू हुआ। आरोप है कि मैतेई समुदाय के उग्रवादी संगठन से जुड़े लोग इसके पीछे थे। दो दिन बाद कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले में किसानों के एक समूह पर हमला किया था, जिसमें 34 साल की एक महिला मारी गई। सोमवार को जिरीबाम में ही एक ब्त्च्थ् पोस्ट पर हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने दस उग्रवादियों को मार गिराया। इसके बाद भी जिरीबाम के एक गांव से दो नागरिकों के शव बरामद हुए। यही नहीं एक मैतेई परिवार के छह सदस्य लापता बताए जा रहे हैं जिनके अगवा किए जाने का शक है।

पक्षपात का आरोप रू खास बात यह कि अलग–अलग समुदायों के लोग सुरक्षा बलों के अलग–अलग हिस्सों पर पक्षपात का खुला आरोप लगाते हैं। हालांकि इस तरह के सामुदायिक तनाव की स्थितियों में सुरक्षा बलों पर पक्षपात के आरोप कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस तरह का अविश्वास अमूमन तात्कालिक ही होता है। मणिपुर में पिछले साल मई से शुरू हुआ हिंसात्मक घटनाओं का सिलसिला न तो कभी पूरी तरह बंद हुआ और न ही माहौल सामान्य हो सका।

विश्वास जीतना होगा रू सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय आबादी का विश्वास हासिल करने का कोई विशेष प्रयास भी होता हुआ नहीं दिखा। हिंसा के इतने लंबे दौर की जिम्मेदारी तय करने की कोई कोशिश नहीं नजर आई। ऐसे में सुरक्षा बलों की तैनाती और विभिन्न पक्षों में बातचीत के दावे फलित होते नहीं दिख रहे। मणिपुर एक सीमावर्ती और खासा संवेदनशील राज्य है। इसलिए हालात को जल्द सामान्य करना जरूरी है।

अपमान के विरुद्ध खामोश रहते ही हैं

रजनीश कपूर

सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद को श्माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007च के कानून की जानकारी रखनी चाहिए ताकि अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और अपमान के खिलाफ न्याय लेने के लिए कोर्ट भी जा सकते हैं। माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007च के तहत ऐसे तमाम प्रावधान हैं जहां बुजुर्गों की सुरक्षा व देखभाल का खय्याल रखा गया है।आधी दुनिया पर विजय पाने वाला सिकंदर–ए–आजम जब अपने देश वापिस लौट रहा था तो उसका स्वास्थ्य इतना बिगड़ा की वह मरणासन्न स्थिति में पहुँच गया। अपनी मृत्यु से पहले सिकंदर ने अपने सेनापतियों और सलाहकारों को बुलाया और कहा की मेरी मृत्यु के पश्चात् मेरी तीन इच्छाएँ पूरी की जाएँ। उन तीन इच्छाओं में से एक इच्छा थी। श्मेरी अर्थी में मेरे दोनों हाथ बाहर की ओर रखे जाएं द्द इससे लोग समझ सकें की जब मैं दुनिया से गया तो मेरे दोनों हाथ खाली थे। इंसान आता भी खाली हाथ है और जाता भी खाली हाथ है।ष् परंतु इस बात को बिना समझे, हम हर पल अधिक से अधिक संपत्ति और धन अर्जित करने की दौड़ में लग जाते हैं।

आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि किसी बुजुर्ग को, पैसे और संपत्ति के लालच में उसी की संतान ने घर से बेघर कर दिया। ऐसा अक्सर उन परिस्थितियों में होता है जब बच्चों को सही संस्कार नहीं दिये जाते। ऐसा अक्सर तब भी होता है जब घर के बड़े–बुजुर्ग अपने मोह और स्नेह के चलते, अपने जीते–जी ही अपनी चल–अचल संपत्ति के सभी उत्तराधिकार अपने बच्चों को दे देते हैं। जो संतान संस्कारी होती है वे बिना किसी लोभ या स्वार्थ के, अंतिम समय तक अपने माता–पिता की सेवा करते हैं।

परंतु ऐसी भी संतान होतीं हैं जिन्हें जैसे ही इस बात का पता चलता है कि माता–पिता ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना दिया है, वैसे ही उनका अपने माता–पिता के प्रति व्यवहार बदलने लगता है। परंतु सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद इस बात की जानकारी नहीं है कि श्माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007च के तहत वे अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और अपमान के खिलाफ न्याय लेने के लिए कोर्ट भी जा सकते हैं।माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, भारत सरकार का एक अधिनियम है जो वरिष्ठ नागरिकों और माता–पिता के भरण–पोषण और देखभाल के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम के तहत, बच्चों और उत्तराधिकारियों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को भरण–पोषण देना कानूनी दायित्व है। इस अधिनियम के तहत, राज्य सरकारों को हर जिप्ले में वृद्धाश्रम स्थापित करने के प्रावधान भी हैं।

अगर कोई वरिष्ठ नागरिक अपनी आय या संपत्ति से अपना भरण–पोषण करने में असमर्थ है, तो वह अपने बच्चों या रिश्तेदारों से भरण–पोषण के लिए आवेदन कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति, किसी वरिष्ठ नागरिक की देखभाल या संरक्षण प्राप्त करने के बाद उसे उपेक्षित किसी जगह छोड़ देता है, तो उसे तीन महीने तक की जेल हो सकती है या पांच हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।अगर किसी वरिष्ठ नागरिक के बच्चे नहीं हैं, तो वह भी मेंटेनेंस के लिए दावा कर सकता है। अगर किसी वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति का इस्तेमाल रिश्तेदार कर रहे हैं, तो सम्पत्ति का इस्तेमाल करने वाले या उसके वारिस पर बुजुर्ग की देखभाल के लिए दावा किया जा सकता है। इतना सब कुछ होते हुए भी हमें अक्सर यही सुनने को मिलता है कि बुजुर्गों को उन्हीं के खून द्वारा अपमानित व उपेक्षित किया जाता है।

ऐसे में कई बुजुर्ग जिन्हें इस अधिनियम की जानकारी नहीं है वे तो अपने अपमान के विरुद्ध खघमोश रहते ही हैं। साथ ही ऐसे भी बुजुर्ग हैं जो समाज में अपनी व अपने बच्चों की मर्यादा और इज्जत की खघतिर कानूनी सलाह या कार्यवाही नहीं करते।बीते दिनों दिल्ली से सटे नोएडा की एक खबर आई जहां 85 वर्ष के एक वरिष्ठ पत्रकार को अपने ही घर से बेघर होने की स्थित का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक–एक पाई जोड़ कर सन् 2000 में एक फ्लैट खरीदा। 205 में जब उनकी इकलौती बेटी शादी विफल हुई तो वो अपने पुत्र के साथ अपने पिता के घर में रहने लगी। कई वर्षों तक सब कुछ ठीक–ठाक चलता रहा। 2022 में अपनी पुत्री के प्रति स्नेह के चलते उन्होंने अपने फ्लैट को एक श्गिफ्ट डीड्ब के जरिये अपनी बेटी के नाम कर दिया।इस श्गिफ्ट डीड्ब होने के कुछ ही महीनों के बाद उनकी बेटी का अपने पिता के प्रति रवैया बदलने लगा। पहले बुरा बर्ताव, फिर मार–पीट और उसके बाद उन्हें कई बार घर से भी निकाला गया। बाद में किसी न किसी तरह उन्हें घर में वापिस लिया गया। परंतु हद तो तब हुई जब बीते अगस्त में उनकी बेटी ने इस फ्लैट को बेच दिया और अब उन्हें इस उम्र में बेघर होने पर मजबूर कर दिया। नोएडा हो या देश का कोई अन्य शहर, ऐसी खबरें आपको लगातार मिलती रहती हैं जो आपको सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है?सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अजय गर्ग के अनुसार श्ज्यादातर लोगों को श्गिफ्ट डीड्ब और श्वसीयतत्ब के बीच के मूल अंतर की जानकारी ही नहीं होती। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन काल में, श्गिफ्ट डीड्ब के माध्यम से अपनी संपत्ति किसी के भी नाम कर सकता है। प्रायरू श्गिफ्ट डीड्ब इस उम्मीद से की जाती है कि जिस किसी के भी हकध् में श्गिफ्ट डीड्ब लिखी गई हो वह व्यक्ति दान–दाता की अच्छी देखभाल करेगा। वहीं किसी भी श्वसीयतत्ब पर मृत्यु के पश्चात ही अमल किया जा सकता है।दोनों ही स्थितियों में यदि बुजुर्गों को यह लगता है कि उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा तो वे इसमें बदलाव या इसे रद्द भी कर सकते हैं।ष् गौरतलब है कि श्माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007च के तहत ऐसे तमाम प्रावधान हैं जहां बुजुर्गों की सुरक्षा व देखभाल का खय्याल रखा गया है। इस अधिनियम का सही इस्तेमाल उचित कघनूनी सलाह पर लिया जाए तो न सिर्फघ् बुजुर्गों को अपमानित करने वाली घटनाओं में कमी आएगी बल्कि अपनों का अपनों के प्रति स्नेह बना रहेगा।

दायरा बढ़ेगा

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर पीएम जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई। यह बिल्कुल ठीक है कि ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। च्ड–श्र।ल् या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है।सरकार पर बोझ नहींरू भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। सोशल सिक्योरिटी को बढ़ावा मिलेगा।स्वस्थ रखने में मददरू देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में दववद–बवउउनदपबंइसम कपेमेंमे से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही च्ड–श्र।ल् में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है।रोजगार के मौकेरू आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। बाजार के लिहाज से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15: से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट पहुंच रहे हैं। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे।सरकार का फोकसरू पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर फोकस है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी।

छेड़ी बहस

बांग्लादेश में अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने यह कहकर एक नई बहस शुरू कर दी है कि वहां के संविधान से 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' शब्दों को हटा देना चाहिए। अटॉर्नी जनरल का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब अवामी लीग की शेख हसीना सरकार को गिरे कुछ महीने ही हुए हैं और बांग्लादेश में अभी अंतरिम सरकार चल रही है। इस प्रस्ताव से यह चिंता गहरी हो गई है कि क्या बांग्लादेश एक इस्लामी राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है।भारतीय उपमहाद्वीप और खासकर विभाजन के संदर्भ में देखें तो भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश– तीनों का साझा इतिहास है। ऐसे में अंग्रेजी उपनिवेशवाद से मुक्ति के बाद जहां भारत ने लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने का फैसला किया, वहीं पाकिस्तान को इस्लामी राष्ट्र का रास्ता भाया। बांग्लादेश की खासियत यह रही कि शुरू में पाकिस्तान का हिस्सा रहते हुए इस्लामी राष्ट्र का अनुभव लेने के बाद वह उससे अलग हुआ और उसने अपने लिए धार्मिक रूप से उदार राष्ट्र के स्वरूप को बेहतर माना।बांग्लादेश के संदर्भ में यह बात ज्यादा मायने इसलिए भी रखती है कि एक देश के रूप में उसका जन्म ही धार्मिक उदारता जैसे मूल्यों की सार्थकता सिद्ध करता है। पाकिस्तान के अलग अस्तित्व के पीछे यह मान्यता थी कि धर्म एक राष्ट्र के बनने का ठोस आधार है। भारत ने विभाजन को स्वीकार करते हुए भी इस मान्यता को ठुकरा दिया। बांग्लादेश के एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय ने एक बार फिर इस बात की पुष्टि कर दी कि सिर्फ धर्म किसी राष्ट्र के निर्माण की बुनियाद नहीं हो सकता।तीनों देशों की अब तक की यात्रा के उतार–चढ़ावों पर गौर करें तो उससे भी यह बात स्थापित होती है कि धार्मिक कट्टरता किसी देश को सुख, शांति और समृद्धि की ओर नहीं ले जाती। पाकिस्तान में जिस तरह से लोकतंत्र की राह पर लौटने की कोशिशें बार–बार नाकाम होती रही हैं उससे साफ है धार्मिक कट्टरता के गड्ढे में गिरना जितना आसान है, उससे निकलना उतना ही मुश्किल। बांग्लादेश ने पिछले करीब एक दशक में जिस तरह से विकास के कीर्तिमान बनाते हुए ह्यूमन डिवेलपमेंट इंडेक्स में अपनी स्थिति सुधारी, उसके पीछे भी धार्मिक कट्टरता से दूरी की एक प्रमुख भूमिका मानी जाती रही है।सच है कि आज दुनिया के कई इलाकों में धार्मिक कट्टरता का जोर बढ़ रहा है। उसी तर्ज पर अपने देश में भी अक्सर धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिशें कुछ हलकों से होती हैं। लेकिन यह बात याद रखने की है कि धर्म चाहे जो भी हो, कट्टरता अपनी विशेषता नहीं छोड़ती। उसके बिछाए जाल को समझना और उससे दूरी बनाए रखना हर देश और समाज के विकास की बुनियादी शर्त है।

तलाक में गरिमा

तलाक से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसकी प्रक्रिया के दौरान पत्नी को 1.75 लाख रुपये महीना गुजारा भत्ता दिया जाए। बेशक यह रकम पहली नजर में खासी बड़ी लगती है, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि फैसला जिन आधारों पर दिया गया है, वे व्यक्ति की गरिमा को नए सिरे से रेखांकित करते हैं।

मसला एक ऐसे कपल का था जिसकी 2008 में शादी हुई और 2019 में पति की ओर से तलाक की अर्जी दी गई। पति को पहली शादी से एक बेटा था, मगर इस शादी में कोई संतान नहीं हुई। दिलचस्प है कि फैमिली कोर्ट ने पति की आमदनी के तमाम स्रोतों का ब्योरा देखने के बाद अंतरिम गुजारा भत्ता 1.75 लाख रुपये मासिक ही तय किया था जिसे हाईकोर्ट ने घटाकर 80,000 रुपये मासिक कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के फैसले को बहाल किया।

मामले की सुनवाई के दौरान कई तरह के सवाल उठे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सबसे ज्यादा अहमियत इस बात को दी कि शादी के दौरान महिला जिस तरह की लाइफस्टाइल की आदी थी, वह बरकरार रहनी चाहिए। यह बात भी अदालत की जानकारी में आई कि शादी से पहले महिला जॉब कर रही थी जो उसे पति की जिद के कारण छोड़नी पड़ी। अपने देश में अक्सर शादी के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़नी पड़ती है जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि गुजारा भत्ता तय करते समय जिंदा रहने की न्यूनतम आवश्यकताओं को ही नहीं, सोशल स्टेटस को भी प्रमुख आधार बनाया जाए।वैसे, यह फैसला अपने आप में अनोखा या अपवाद नहीं है। हाल के वर्षों में आए कई अहम फैसले की यही दिशा रही है। फिर भी इस फैसले की अहमियत इस मायने में है कि इसने न्यायपालिका के इस प्रगतिशील रुख पर इतना जोर दिया है कि यह एक झटके में समाज के संज्ञान में आता है।ध्यान रहे, भारत आज भी उन देशों में शामिल है, जहां तलाक की दर न्यूनतम स्तर पर है। ऐसा तब है जब नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019–21 के मुताबिक देश में 18 से 49 वर्ष के उम्र की करीब 30 फीसदी शादीशुदा महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। जाहिर है, मजबूरी में चलती शादियों को तलाक से बेहतर मानने की सोच बदलने की जरूरत है और सुप्रीम कोर्ट के ऐसे फैसले इसमें मदद कर सकते हैं।

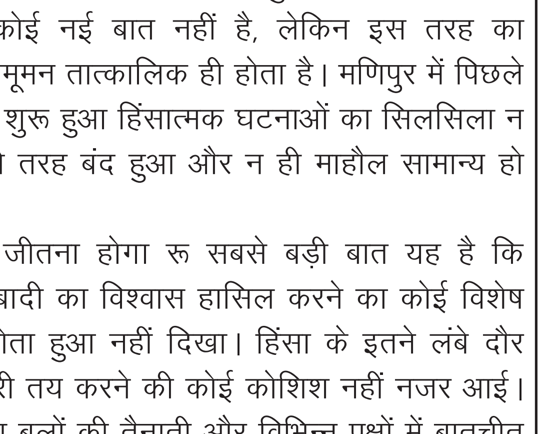

आधुनिकता नकली भी होती है

हृदयनारायण दीक्षित

आधुनिकता प्रायः आकर्षण होती है। नई होती है और ताजी प्रतीत होती है। लेकिन वास्तविक आधुनिकता विचारणीय है। आधुनिकता नकली भी होती है। दरअसल आधुनिकता स्वयं में कोई निरपेक्ष आदर्श या व्यवहार नहीं है। इसका सीधा अर्थ ही प्राचीनता का अनुवर्ती है। आधुनिकता प्राचीनता के बाद ही आती है। इसलिए हरेक आधुनिकता की एक सुनिश्चित प्राचीनता होती है। इसी तरह प्राचीनता की भी और प्राचीनता होती है। आधुनिकता को और आधुनिक कहने के लिए उत्तर आधुनिकता शब्द का चलन बढ़ा भी है। सच बात तो यही है कि प्राचीनता और आधुनिकता के विभाजन ही कृत्रिम हैं। काल अखण्ड सत्ता है। काल में न कुछ प्राचीन है और न ही आधुनिक। हम मनुष्य ही काल संगति में प्राचीनता या नवीनता के विवेचन करते हैं। प्राचीनता ही अपने अद्यतन विस्तार में नवीनता और आधुनिकता है। हम आधुनिक मनुष्य अपने पूर्वजों का ही विस्तार हैं। वे भी अपनी विषम परिस्थितियों में अपने पूर्वजों से प्राप्त जीवन मूल्यों को झाड़ पोछकर अपने समय की आधुनिकता गढ़ रहे थे। ऐसा कार्य सतत् प्रवाही रहता है।

गतिशील समाज वर्तमान से संतुष्ट नहीं रहते। वे उसे और सुंदर बनाने के स्वप्न देखते हैं। कर्म भी करते हैं। वे राजव्यवस्था से भी संतुष्ट नहीं होते। जनतंत्री देशों में चुनाव होते हैं। राजव्यवस्था के कर्ताधर्ता एक निश्चित अवधि बाद चुनाव में जाते हैं। समाज उन्हें बदल देता है या फिर से उन्हें ही काम करने का जनादेश देता है। लेकिन समाज व्यवस्था के बदलने का कोई चुनाव नहीं होता। सामाजिक असंतोष को दूर करने का समयबद्ध उपाय नहीं है। सत्य की प्रतिष्ठा शाश्वत जीवन मूल्य है। असहमति के आदर से समाज की गतिशीलता बढ़ती है। सभी संस्कृतियों में प्राचीन के साथ संवाद की परंपरा है। लेकिन कथित प्रगतिवादी प्राचीन को कालवाह्य बताते हैं। लेकिन सारा पुराना कालवाह्य कूड़ा करकट नहीं होता। यह पूरा का पूरा बदली परिस्थितियों में उपयोगी भी नहीं होता। पुराने के गर्भ से ही नया निकलता है। नवजात में पुराने के अंश भी होते हैं। सत्य, शिव और सुंदर के लिए कर्म चला करते हैं। इन्हीं तीनों की त्रयी विवेचन का मूल आधार बनती है। आधुनिकता का आग्रह स्वाभाविक है। लेकिन स्वाभाविक आधुनिकता भी प्राचीनता के गर्भ से ही आती है। हमें जीवन मूल्यों का आयात नहीं करना चाहिए। यों आधुनिकता कोई जीवनमूल्य नहीं है और प्राचीनता भी नहीं। दोनों समय और परिस्थिति का ही बोध कराते हैं।

विज्ञान और दर्शन के विकास ने देखने और सोचने की नई दृष्टि दी है। इससे प्राचीनता को सुंदर नूतन परिधान मिले हैं। ऋग्वेद प्राचीनतम ज्ञान कोष है। हम ऋग्वेद के समाज को प्राचीन कहते हैं। ऐसा उचित भी है। ऋग्वेद में उसके भी पहले के समाज का वर्णन है। ऋग्वेद जैसा मनोरम दर्शन और काव्य अचानक नहीं उगा। निश्चित ही उसके पहले भी दर्शन और विज्ञान के तमाम सूत्र थे। वैदिक पूर्वजों ने अपने पूर्वजों से प्राप्त परंपरा का विकास किया। ऋग्वेद की कविता वैदिक काल की आधुनिकता का दर्शन–दिग्दर्शन है। यही बात उपनिषद् और महाकाव्य काल पर भी लागू होती है। महाभारत में धर्म, सत्य और लोकव्यवहार की मान्यताएं बदल गई हैं। इसीलिए उस समय गीता दर्शन का उदय हुआ। अर्जुन ने उस समय विद्यमान तमाम प्रश्नों और चुनौतियों को मौलिक प्रश्न बनाया। श्रीकृष्ण ने उनके उत्तर दिये। महाभारत काल के लोग गीता दर्शन के उदय को आधुनिक काल कहते थे। श्रीमद् भागवत उसी समय की आधुनिकता

का भाव प्रवण चित्रण है। इसमें प्रेमरस, भावरस और भक्ति रस का प्रीतिपूर्ण प्रवाह है। लेकिन महाभारत काल की आधुनिकता में भी वैदिक परंपरा की निरंतरता है। सांस्कृतिक निरंतरता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। असली बात सांस्कृतिक निरंतरता है।

वैदिक काल की निरंतरता का विकास हड़प्पा सभ्यता है। इसे स्वतंत्र सभ्यता बताने वाले गल्ती पर हैं। कोई भी सभ्यता या संस्कृति शून्य से नहीं उगती। हड़प्पा की सभ्यता नगरीय सभ्यता है। नगरीय जीवन खाद्यान्न सहित तमाम मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर होते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था या खेती किसानी के विकास का भी इतिहास है। कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' ईसा के लगभग 325 वर्ष पूर्व की सूचना देता है। इस अर्थशास्त्र में भी वैदिक दर्शन की परंपरा है। 'अर्थशास्त्र' के रचनाकाल का समाज भी अपने समय आधुनिक ही था। अब वह स्वाभाविक ही प्राचीनकाल का भाग है। आधुनिक भारत का समाज प्राचीन भारत के पूर्वजों के सचेत या अचेत परिश्रम का परिणाम है। आधुनिकता में प्राचीनता की चेतना होनी चाहिए लेकिन अंग्रेजी राज के दीर्घकाल में प्राचीनता को अंधविश्वास और पिछड़ापन बताया गया। पूर्वज आर्यों को भी विदेशी पढ़ाया गया। एक अस्वाभाविक आधुनिकता का विकास किया गया। बावजूद इसके कि अनेक यूरोपीय विद्वान भी भारतीय दर्शन और संस्कृति के पक्षधर थे लेकिन अंग्रेजी सत्ता संस्कृतिहीन समाज बना रही थी। उन्होंने स्वयं को आधुनिक बताया और भारतीय सभ्यता को पिछड़ा।

आधुनिकता भारतीय प्राचीनता की ही पुत्री है। प्राचीनता मां है और आधुनिकता पुत्री। माता पूज्य है और पुत्री आदरणीय। दोनो स्वतंत्र सत्ता नहीं हैं। आधुनिकता को यथासंभव मां के सद्गुणों का अवलम्बन करना चाहिए और देश काल परिस्थिति के अनुसार स्वयं का पुनर्सृजन व विकास भी करना चाहिए। प्राचीनता पिछड़ापन नहीं है। प्राचीनता का विवेचन जरूरी है। प्राचीनता की गतिशीलता में ही हम आधुनिक होते हैं। गति के साथ अनुकूलन करना और अनुकूलन व अनुसरण में ही प्रगतिशील होते जाना काल का आह्वान है। वर्तमान समाज व्यवस्था व जीवन शैली संतोषजनक नहीं है। इसका मुख्य कारण प्राचीनता से अलगाव है। आयातित आधुनिकता ने हमारी स्वाभाविक संस्थाएं भी तोड़ीं हैं। परिवार, प्रीति और आत्मीयता के बंधन टूट रहे हैं। असंतोष विषाद बन रहा है और विषाद अवसाद। इसलिए लोकमत निर्माण में लगे सभी विद्वानों, पत्रकारों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ता और मूल्यनिष्ठ राजनेताओं को ध्येयनिष्ठ, स्वाभाविक आधुनिकता के सृजन में जुटना चाहिए।भारतीय प्राचीनता और परंपरा से ही आधुनिकता का विस्तार होता तो हम अपने जीवन मूल्यों और संस्कृति के प्रति आग्रही भाव में आधुनिक होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमारी आधुनिकता 'वास्तविक' नहीं है। यह उधार की है। विदेशी है। यह विदेशी सत्ता के प्रभाव में विकसित हुई है। भारत की स्वाभाविक आधुनिकता के विकास के लिए विवेकानंद, दयानंद, गांधी, डॉ0 हेडगेवार और डॉ0 अम्बेडकर, पं0 दीनदयाल उपाध्याय आदि सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तमाम प्रयास किए। लोकमत का परिष्कार और संस्कार भी हुआ। इसके तमाम सकारात्मक लाभ भी हुए। विश्व सम्पर्क से भारत की समझ भी बढ़ी। भारतीय सम्पर्क से विश्व का भी ज्ञानवर्द्धन भी हुआ लेकिन भारत में लोकमत के संस्कार का काम संतोषजनक नहीं है। हम भारत के लोग बहुधा दुनिया के अन्य देशों की जीवनशैली की प्रशंसा करते हैं। विदेशी सभ्यता को अपनी सभ्यता से श्रेष्ठ बताने वाले भी हैं यहां। संप्रति भारतीय आधुनिकता भारतीय नहीं जान पड़ती। यह प्राचीनता का स्वाभाविक विस्तार नहीं है। इस आधुनिकता में विदेशी जीवनमूल्यों का प्रवाह है। यह भारत के स्वयं को आत्महीन बना रही है। इसलिए मूल परंपरा से संवाद जरूरी है।

प्रशासन एवं कर करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की

राजस्व वसूली के कार्य में षिथिलता क्षम्य नही

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान पाया गया कि माह में वाणिज्य कर की कोई प्रगति नही हुई है जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये वाणिज्य कर अधिकारी को

➤ जिलाधिकारी ने तहसीलों के कार्यो की प्रगति ठीक न पाये जाने पर 04 एसडीएम को दी प्रतिकूल प्रविश्टि,

प्रतिकूल प्रविष्टि हेतु निर्देशित किया। उन्होने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी, सभी जिम्मेदार अधिकारी शासन की ओर से निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा में प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने 05 वर्ष से न्यायालय में लम्बित वादों की समीक्षा कर उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि माहवार लक्ष्य बनाकर 5 वर्ष के लम्बित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये तथा 01 वर्ष से लम्बित वादों का भी निस्तारण किया जाये और कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने कार्य शैली में सुधार लाये अन्यथा की स्थिति में यदि कार्यो में सुधार नही होता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध शासन को पत्र प्रेषित किया जायेगा। आडिट आपत्तियों की समीक्षा में पाया गया कि 95 प्रतिशत आख्या प्राप्त हुई है, तहसील कुण्डा को छोड़कर अन्य तहसीलों से साक्ष्य हेतु रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है जिस पर अपर जिलाधिकारी ने तहसीलों के पटल सहायकों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया और आडिट आपत्तियों उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीब, असहाय लोगों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कम्बल का वितरण करया जाये। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि

ाकारी सदर, रानीगंज, पट्टी व लालगंज को कड़ी फटकार लगायी और प्रतिकूल प्रविष्टि हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने कार्य शैली में सुधार लाये अन्यथा की स्थिति में यदि कार्यो में सुधार नही होता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध शासन को पत्र प्रेषित किया जायेगा। आडिट आपत्तियों की समीक्षा में पाया गया कि हेतु बैठक कराने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा की और प्रगति ठीक न होने पर उपजिलाधिकारियों व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, शिकायते डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये। ठंड के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी ने अपने–अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

गोरखपुर ने मुकाबले में कोलकाता को हराया

कुशीनगर।जनपद के फाजिलनगर विकास खंड के ग्राम पंचायत नकटहा मिश्र स्थित अशोक विद्यापीठ इण्टर कालेज के परिसर में उद्भव त्रिपाठी फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में गोरखपुर की टीम ने कोलकाता की टीम को 3–2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। गोरखपुर के रवि को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

मंगलवार को हुए मैच में पहले हाफ तक दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन कोई भी गोल नहीं कर पाई। दूसरे हाफ में गोरखपुर की टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद कोलकाता की टीम ने लगातार दो गोल करके खेल को रोमांचक बना दिया।

अंत में गोरखपुर ने दस मिनट शेष रहते दो गोल कर मैच 3–2 से अपने नाम किया। मुख्य अतिथि सीओ तमकुहीराज अमित सक्सेना ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से क्षेत्रीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए, क्योंकि जीत और हार एक प्रक्रिया है। मैच के रेफरी मकदून खघन रहे। जबकि कमेंट्री अब्दुल रब और बिजेंद्र यादव ने की। उद्घाटन समारोह का संचालन कवि मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। इस दौरान आयोजक कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन सुभाष प्रसाद त्रिपाठी, उद्भव त्रिपाठी, प्रधानाचार्य कश्यप कुमार, थानाध्यक्ष विद्याधर कुशवाहा, विश्वामित्र त्रिपाठी, ब्रजेश त्रिपाठी, प्रदीप दूबे, आलोक चौबे, अशोक पांडेय, रमाशंकर पांडेय, विजय पांडेय, अमरेश त्रिपाठी,गिरीजेश त्रिपाठी, बिट्टन दूबे, विपीन शुक्ला, संजय यादव, मैनेजर गुप्ता, लियाकत खां, लड्डन खान पांडेय, नवी रसूल ,शम्भूशरण सिंह,मुस्ताक खां, नितेश पांडेय, राम बृक्ष गिरी, सुनील उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

श्रावस्ती में विदेशी बौद्ध अनुयायियों ने की पूजा

इकौनाश्रावस्ती (आरएनएस)। बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती में थाईलैंड से 200, श्रीलंका से डेढ़ सौ, वियतनाम से 40 , महाराष्ट्र से 300 बौद्ध अनुयायियों ने गंध कुटी पर अपने रीति रिवाज में बौद्ध भिक्षु देवानंद नन्द की अध्यक्षता मे पूजा अर्चना किया । इस दौरान बिच्छू ने कहा कि भगवान बुद्ध की इस तपोस्थली में जो भी लोग मनोयोग से पूजा अर्चना करते हैं उनकी मनोकामना पूर्ण होती है ।सभी अनुयायियों ने बुद्धम शरणम गच्छामि ,संघम शरणम गच्छामि, धम्मम शरणम गच्छामि का उद्घोष किया ।और पूजा अर्चना किया ।पूजा के उपरांत सभी लोगों ने सभी स्थानों का भ्रमण कर इतिहास की जानकारी प्राप्त की जिसमें शिवली स्तूप ,आनंद बोधि वृक्ष ,सभा मंडप, सूर्यकुंड , कौशाम कुटी ,राहुल कुटी ,संघमित्रा कुटी ,संघाराम बुद्ध विहार, कच्ची कुटी पक्की कुटी आदि का भ्रमण किया।

संक्षेप

बजाज चीनी मिल एक माह के अंदर बकाया गन्ना मूल्य का करें भुगतान

गोण्डा। बजाज चीनी मिल एक माह के अन्दर गत वर्षों के बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करें। यदि किसानों के गन्ना बकाया का भुगतान ना हुआ तो राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता आंदोलन करेंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी चीनी मिल प्रबंधन की होगी। यह चेतावनी राष्ट्रवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी ने एक बैठक के दौरान दिया।श्री तिवारी ने कहा कि किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य समय पर न मिलने से उनको अनेको आर्थिक कठिनाइयां से जूझना पड़ता है। जो की उचित नहीं है। किसान देश की रीढ़ है अगर किसान ही दुरूखी रहेगा तो देश कैसे खुशहाल रह सकता है। बिचौलियो एवं दलालों के चलते किसानों का अत्यधिक शोषण हो रहा है।प्रदेश के वर्तमान सरकार को चाहिए कि किसानों की इन समस्याओ को दूर करें। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव सुनील मिश्रा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामानंद त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविंद्र पांडे, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के.के श्रीवास्तव, हनुमान वर्मा, राज दत्त तिवारी, शिवपूजन तिवारी, मनोज शुक्ला, मनोज यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रधानप्रतिनिधि ने की शिकायत

गोण्डा। धानेपुर थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक पुलिस से हुई शिकायत सत्य नरायन सिंह पुत्र श्री दुर्गा सिंह ग्राम पूरहाड़ा मेस्ट– बखरा थाना धानेपुर जनपद– गोण्डा का मूल निवासी है शिकायती पत्र में कहा है कि मंगलवार की रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच उसकी की भैंस, जिसमें मुबंध की 1 भैंस जो कि गाभिन है,2 दाँत की 1 औसर भैंस और 1 पंड़वा जो 1 वर्ष का है, जिनकी कुल कीमत लगभग एक लाख पच्चीस हजार रूपया है चोरी हो गयी है। प्रभारी थाना अध्यक्ष खुश मोहम्मद ने बताया की जांच कराई जा रही है उचित कार्रवाई की जाएगी।

साफ–सफाई हेतु जारी किया पत्र

गोण्डा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्रीध चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक ने जनपदवार अस्पताल प्रबंधन को पत्र लिखा है जिसमे कहा है कि प्रायः देखने में आया है कि प्रदेश के विभिन्न चिकित्सालयोंध चिकित्सा संस्थानों आदि में मेरे भ्रमण कार्यकम के दौरान रास्ते पर चूने से जो मार्किंग की जाती है तथा कार्पेट बिछाया जाता है, साथ ही माल्यार्पण तथा पुष्पगुच्छ इत्यादि को भेंट किये जाने की परिपाटी को समाप्त करते हुए भविष्य में इसके स्थान पर अपने–अपने अस्पतालोंध संस्थानो की साफ–सफाई एवं रखरखाव तथा मरीजों की सेवा–सुश्रुषा पर ध्यान दिये जाने हेतु सभी चिकित्सालय व संस्थानों को निर्देशित निर्गत करना सुनिश्चित करें।

जवाबी कव्वाली का हुआ मुकाबला

गोण्डा। मंगलवार की देर रात तक मसकनवा बाजार के रेलवे क्रॉसिंग के निकट मैदान में हिंदू मुस्लिम एकता की प्रतीक जवाबी कव्वाली व शानदार मुकाबला का आयोजन किया गया। मुकाबला कव्वाल रिजवान चिश्ती अयोध्या व सनम वारसी संभल के बीच हुआ कव्वाल रिजवान चिश्ती ने हिन्दू मुस्लिम एकता पर मेरा भारत जैसा कोई देश नहीं, इस देश में हिन्दू–मुस्लिम मिल–जुलकर रहते हैं।कव्वाला सनम वारसी ने अपने कलाम पेश करते हुए कहा कि ऐसी फिजा बनाओ मेरे देशवासियों हिन्दू का घर जले तो मुस्लमान रो पड़े। सरबरे अमबिया ताजदारे हरम,सबका बिगड़ा मुकद्दर बना दीजिए, दोनों आलम में रह जा सबका भरम कुछ नवासों का सदका अता कीजिए। जिसे सुनकर वहां मौजूद लोग झूम उठे।शेरों शायरी से कव्वाल रिजवान चिश्ती व कव्वाला सनम वारसी नेदर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।बीच मोहे नैना मिलाके आदि गजल के जवाब में सनम वारसी ने निगाहों से तूने ये क्या पिला दिया, उनकी अता को देखकर हैरत से देखते हे, आदि गजल प्रस्तुत किया।कव्वालों के बीच शेरों शायरी व जुगलबंदी के बीच श्रोताओं की फरमाइश पर स कव्वालों ने एक से बढ़कर एक कव्वाली सुना कर दर्शकों को खूब नचाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहम्मद कासिम ,शाहिद ,हाशमी, खुर्शीद ,शकीरा ,जगदीश पटेल,दुर्गा प्रसाद वर्मा ,आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के अन्तर्गत घण्टाघर चौराहा एवं चिलबिला चौराहा का भ्रमणशील रहकर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया एवं वाहनों के सुचारू रूप से आवागमन को लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वाहनों पर निर्धारित संख्या के अनुसार ही सवारियों को बैठाये, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का शत् प्रतिशत प्रयोग करायें जिससे सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यातायात के नियमों का शत् प्रतिशत अनुपालन कराया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये।

बच्चों समेत महिला को पीटा

कौशाम्बी। थाना सराय अकिल कनैली चौकी के कुटी धर्मपुर गांव में घर का पानी निकलने के लिए पाइप लगा था तो मिथलेश पाल निवासी भीखा गर्ग का पूरा थाना कौशांबी बार बार आता जाता और लगे पाइप को बाइक चढ़ाकर तोड़ दिया जब मैंने विरोध किया तो मिथलेश पाल, नन्हीं पाल,छोटे लाल आदि मारने पीटने लगे मैं डर से अपने घर के अंदर भाग गई लेकिन दबंगों ने घर के अंदर मुझे लात घूंसा से मारा मेरी बेटी अंजू व बेटा शोभित बीच बचाव करते तो उन्हें भी काफी लात डंडे से मारा पीटा मामले की शिकायत पुलिस चौकी कनैली से किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कौशांबी से इंसाफ की गुहार लगाई हैं।

शौचालय के प्रति बढ़ावा देना उद्देश्य

श्रावस्ती । शासन के निर्देशानुसार विश्व शौचालय दिवस 2024 के आयोजन के सम्बन्ध में जनपद स्वच्छता समिति की बैठक जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिय एवं कमाण्डेन्ड, सशस्त्र सीमाबल आर0के0 राजेश्वरी सहित जनपद स्वच्छता समिति के समस्त सदस्य की उपस्थिति में विश्व शौचालय दिवस का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, जिला पंचायत ने अपने सम्बोधन में कहा कि हर साल 19 नवंबर को विश्वभर में विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बेहतर स्वच्छता और स्वच्छता संबंधी आदतों को बढ़ावा देना तथा बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य सुधार में स्वच्छता की भूमिका को समझना है। विश्व शौचालय दिवस पर आज आयोजित कार्यक्रम में हम सबका यह संकल्प है कि जनपद को पूर्णतः खुले में शौच मुक्त की स्थिरता हेतु निर्मित सभी शौचालयों का शत्त उपयोग के साथ ही उसकी देख–भाल अवश्य किया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि विश्व शौचालय दिवस प्रत्येक वर्ष 19 नवम्बर को आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में शौचालय के स्वच्छ एवं सुरक्षित उपयोग तथा शौचालय तक पहुंच हेतु जागरूक करना है। जिससे शौचालय का अधिक से अधिक लोगों को समस्त प्रकार के व्यक्तिगत शौचालयों व सामुदायिक शौचालयों का निरन्तर उपयोग हेतु जागरूक किया जा सके। भारत सरकार द्वारा यह अभियान मरम्मत, पुर्नस्थापित और परिष्कृत पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य सामुदायिक शौचालयों का मरम्मत सुनिश्चित कराना तथा सामुदायिक शौचालयों का पेंटिंग एवं सौंदर्यीकरण करना है।

उन्होने यह भी कहा कि इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस को ''हमारा शौचालयः हमारा सम्मान'' थीम के नाम से चलाया जाना है। इसका समापन 10 दिसम्बर, 2024 को किया जायेगा। अभियान अवधि में व्यक्तिगत शौचालय के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर सबसे अच्छा व्यक्तिगत शौचालय प्रतियोगिता तथा विकास खण्डध्जनपद स्तर पर सबसे अच्छा सामुदायिक शौचालय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय तथा प्रतियोगिता उपरान्त विजेता एवं ब्लाक को विकास खण्ड एवं जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा, जिसमें कि प्रत्येक ग्राम पंचायत 02 सबसे अच्छे व्यक्तिगत शौचालय का चयन कर विकास खण्ड को अग्रसारित करेंगे।

पोलियो की खुराक पिलाकर डीएम ने पल्स पोलियो अभियान का किया भुभारम्भ

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने जिला महिला चिकित्सालय में बच्चो को पोलियो की खुराक पिलाकर पल्स पोलियो अभियान का शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाये, कोई भी बच्चा पोलियो ड्राप की खुराक से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ में 2296 पोलियो बूथों पर कुल 440326 लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जानी है। इसके उपरान्त 09 से 16 दिसम्बर तक पोलियो ड्राप से छूटे बच्चों को 1022 टीमों के द्वारा घर घर जाकर बच्चों पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। इस अवसर मुख्य

चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप निर्वाचन हेतु जनपद में निशेधाज्ञा लागू

प्रतापगढ़। अपर जिला मजिस्ट्रेट त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन, राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से सम्बन्धित सीबीटी परीक्षायें तथा 25 दिसम्बर को क्रिसमस डे त्योहार के दृष्टिगत सम्पूर्ण जनपद क्षेत्र तथा परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 01 जनवरी 2025 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा–163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया गया है।

उन्होने बताया है कि कोई भी व्यक्ति किसी वर्ग या समुदाय के बारे में ऐसी आलोचना नहीं करेगा जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो या तोड़–मरोड़ कर कही गयी बातो पर आधारित हो एवं जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं देगा। मस्जिदों, मन्दिरों, गिरिजाघरों या अन्य पूजा स्थलों को सभा के रूप में प्रयोग नहीं किया जायेगा और न ही इन स्थानों से जुलूस या रैली निकाली या समाप्त की जायेगी। किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर का प्रयोग किसी भी दशा में इस प्रकार से नहीं किया जायेगा जिससे विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों में उत्तेजना फैलने की सम्भावना हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई भी मादक पदार्थ, शराब/नशे की हालत में कोई अवांछनीय कार्य नही करेगा जिससे किसी की भावना को ठेस पहुँचे। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा उम्मीदवार की आलोचना, उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पूर्व के इतिहास व कार्य के सम्बन्ध में ही की जा सकती है। किसी उम्मीदवार की व्यक्तिगत जीवनी पर आलोचना नहीं की जायेगी। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों एवं उम्मीदवार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित व्यय सीमा से अधिक व्यय नहीं किया जायेगा। चुनाव प्रचार हेतु लाउडस्पीकर व साउण्ड बाक्स का प्रयोग पूर्वानुमति लेकर ही करेगें और इसका प्रयोग रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक प्रतिबन्धित रहेगा।

स्थायी तौर पर लाउडस्पीकर एवं साउण्ड बाक्स नहीं स्थापित किये जायेगें। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा फर्जी मतदान करने अथवा कराने के लिये किसी व्यक्ति को न तो उकसाएंगे, न ही मदद करेगें। मतदान के दिन मतदान केन्द्र के 200 मीटर के रेडियस के अन्दर चुनाव प्रचार नहीं करेगें और न ही वोट मांगेगें। मतदान/मतगणना केन्द्र पर मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रानिक गैजेट, कोई ज्वलनशील व विस्फोटक पदार्थ, किसी प्रकार का अस्त्र शस्त्र, माचिस, बीड़ी, सिगरेट व नशीला प्रदार्थ, पानी की बोतल, पेन/पेंसिल एवं अन्य प्रतिबन्धित सामग्री लेकर जाना पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह निर्वाचन व परीक्षाओं को सकुशल तथा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराये जाने में न तो किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करेगा और न ही ऐसी कोई कार्यवाही करेगा जिससे कि परीक्षा को सम्पन्न कराये जाने में कोई बाधा उत्पन्न हो एवं उसकी शुचिता व निष्पक्षता पर किसी प्रकार का कोई कुप्रभाव पड़े।

हाईटेंशन तार की जद में आने से कामगार की मौत

पश्चिम शरीरा, कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के परई उग्रसेनपुर में शुक्रवार की सुबह टेंट लगाने के दौरान 11 हजार हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं मृतक की मौत से परिवार जनों में कोहराम मचा हुआ है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के परई उग्रसेनपुर गांव के अजमेरी अली के यहां मिलाद समारोह का आयोजन था। जिसमें दुगौली गांव निवासी संतोष प्रजापति पुत्र मोतीलाल प्रजापति टेंट लगाने का कार्य कर रहा था कि तभी ऊपर से गुजरी 11 हजार हाई टेंशन की तार मे लोहे का पाइप टच हो गया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गया। मौके में मौजूद लोगों ने घायल अवस्था में इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां संतोष प्रजापति (25) की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत की खबर जैसे ही परिजनों को मिली तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। इसी बीच सूचना पाकर मौके में स्थानीय पुलिस पहुंच गई तथा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते हैं कि मृतक अपने चार भाइयों में सबसे छोटा भाई था, उसकी अचानक दर्दनाक मौत से घर के सभी लोगों का रो–रो कर बुरा हाल है।

पशुगणना के कार्य से पशुपालन से जुड़ी नीतियों को सुधारने में मिलेंगी मदद

कौशाम्बी। केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार मत्स्य पशुपालन एवं डेयरी द्वारा 21वीं पशुगणना का शुभारम्भ किया गया। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य देशभर में पशुओं की सटीक संख्या और प्रजातियों का आंकलन करना है, जो कि न केवल कृषि क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेंगा।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि जनपद में इस गणना का कार्य 277851 परिवारों में किया जायेंगा। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए 130 गणनाकार ग्रामीण क्षेत्रों में और 09 गणनाकार शहरी क्षेत्रों में तैनात किए गयें हैं। गणनाकारों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे सही तरीके से इस कार्य को अंजाम दे सकें। पशुगणना का यह कार्य कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले यह देश में पशुपालन से जुड़ी नीतियों को सुधारने में मदद करेंगा। पशुओं की संख्या और प्रजातियों के आंकड़े हमें यह समझने में मदद करेंगे कि किस प्रकार के पशुपालन की आवश्यकता है और किस दिशा में हमें आगे बढ़ना चाहिए। दूसरे, यह कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में भी सहायक होगा। पशुधन हमारे कृषि तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनकी संख्या और स्वास्थ्य का सही आंकलन हमें बेहतर नीतियाँ बनाने में मदद करेंगा। इसके अलावा पशुपालन से जुड़े उद्योगों के विकास के लिए भी यह गणना एक आधार तैयार करेंगी। गणना के दौरान सभी गणनाकारों को स्थानीय समुदाय के सहयोग से कार्य करने की अपेक्षा की गई है। हमें विश्वास है कि स्थानीय लोग गणनाकारों के साथ सहयोग करेंगे, जिससे इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकें। इस गणना के माध्यम से हम न केवल आंकड़े एकत्रित करेंगे, बल्कि समुदाय के सदस्यों को भी पशुपालन की महत्वता के बारे में जागरूक करेंगे। गणनाकार पशुओं की संख्या, प्रजाति, उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को एकत्रित करेंगे। इस कार्य में विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिससे आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित हो सके। गणना के दौरान हम स्थानीय किसानों और पशुपालकों से भी संवाद करेंगे, ताकि उनकी आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझा जा सकें।

दबिश देकर पकड़ी गई 134.5 लीटर शराब, 10 गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण एवं तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक व समस्त क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न थानों पर गठित टीमों द्वारा 34 स्थानों पर दबिस दी गयी। इसी क्रम में थाना करारी द्वारा 01 कुंतल लहन नष्ट कराया गया, थाना महेवाघाट द्वारा 01 अभियुक्त के कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब, थाना पिपरी द्वारा 02 अभियुक्तों के कब्जे से 20 लीटर अवैध शराब, थाना सैनी द्वारा 01 अभियुक्त के कब्जे से 15 लीटर अवैध शराब, थाना मोहब्बतपुर पइंसा द्वारा 02 आरोपियों के कब्जे से 19.5 लीटर अवैध शराब बरामद कर 02 कुंतल लहन नष्ट कराया गया तथा थाना कड़ाधाम द्वारा 04 अभियुक्तों के कब्जे से कुल 70 लीटर अवैध शराब बरामद कर 06 कुंतल लहन नष्ट कराया गया। कुल10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से कुल 134.5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गयी तथा कुल 09 कुंतल लहन नष्ट कराया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सम्बन्धित थाने पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

उर्वरक केन्द्र को कराया सील, कारण बताओ नोटिस जारी

श्रावस्ती (आरएनएस)। आज प्रातः लगभग 08 बजे सूचना मिली कि साबिर पुत्र शब्बीर निवासी पिपरहवा जोगा गाँव थाना सिरसिया श्रावस्ती के द्वारा अवैध रूप से खाद को बेचा जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा प्रातःकाल ही भारत नेपाल बार्डर पर स्थित उर्वरक बिकी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

इस दौरान विकास खण्ड सिरसिया अन्तर्गत भारत नेपाल बार्डर के निकट स्थित ताल बघौडा बाजार में एक भवन के बेसमेन्ट में गोदाम बनाकर अनाधिकृत रूप से उर्वरक भण्डारित पाया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि साहिल ट्रेडर्स के नाम से संचालित उर्वरक केन्द्र जो बेचुआ में पंजीकृत है, जबकि बेचुआ में दुकान निरीक्षण के दौरान गोदाम निर्माणाधीन अवस्था में पाया गया जो गोदाम संचालन हेतु उपयुक्त नहीं था। साहिल ट्रेडर्स द्वारा उर्वरक गोदाम का संचालन ताल बघौड़ा बाजार में किया जा रहा था। जिससे यह प्रतीत होता है कि उक्त गोदाम अवैध रूप से ताल बघौड़ा में संचालित किया जा रहा था। मौके पर पकड़े गये व्यक्ति द्वारा बताया गया कि यहां से खाद को साईकिल एवं मोटर साईकिल द्वारा रोशनपुरवा व अन्य मार्गो से खाद नेपाल भेजा जाता है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि ताल बघौडा स्थित गोदाम के पीछे बनाये गये छोटे गेट से खाद की कालाबाजारी की जा रही थी।

जिलाधिकारी ने बताया कि भारत नेपाल बार्डर से 5 किलोमीटर अन्दर तक शासनादेश के अनुसार उर्वरक भण्डारण एवं बिकी प्रतिबन्धित है। उक्त उर्वरक अनाधिकृत रूप से भण्डारित पायी गयी है। प्रतिष्ठान के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अन्तर्गत कार्यवाही हेतु उप निदेशक कृषि, श्रावस्ती को निर्देशित किया गया है। मौके पर उपस्थित उपजिलाधिकारी भिनगा द्वारा उर्वरक केन्द्र को सील करा दिया गया है तथा अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी अधिनियम के तहत दुकानदार पर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

लापरवाही बरतने पर जिला कृषि अधिकारी एवं अपर जिला कृषि अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनके विरूद्ध निलम्बन एवं विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिये गये है। निरीक्षण के दौरान गोदाम में खाद 50 बोरी, सल्फर 6 बोरी, डी0ए0पी0 80 बोरी, फारस जिंक 7 बाल्टी, हाई जिंक 10 बोरी, मोनो जिंक 13 बोरी, बायो डीएपी 5 बोरी, भुधारा जैविक 192 बाल्टी, गेहूं बीज 437 बोरी, कीटनाशक पारस गोल्ड 5 बेग, पारस एम 4 गत्ता, एन्टी क्लोरोपैरिफास 1 गत्ता, क्लोरोपैरिफास 1 ड्रम, नेवी गोल्ड 4 गत्ता, साइफर मेथराइन 1 गत्ता, पाराकावार 1 गत्ता, चार्जर 1 गत्ता, सोलिड 1 गत्ता, प्रोटेलक्लोर 34 यूनिट, प्रीफोनिक 2 बाल्टी, तहल्ला 19 बोरी बरामद हुए। इसके अतिरिक्त बाल विकास पुष्टाहार में रिफाइंड तेल 138 पैकेट, चना दाल 176 पैकेट, गेहूं दलिया 500 ग्राम 104 पैकेट, गेहूं दलिया 1किग्रा 50 पैकेट एवं अन्य खाद सामग्री में परले चिप्स 167 पीस बिस्किट 36 पैकेट चाकलेट 12 डिब्बे बरामद हुए। इसके अतिरिक्त मिनी ट्रक यूपी 46 टी 2363 भी गोदाम के पीछे पाया गया। जिसके संबद्ध में साबिर से लाइसेंस माँगा गया तो उक्त जगह पर खाद बेचने का लाइसेंस नहीं दिखा सका, जिसके पश्चात मौके पर संबंधित विभाग द्वारा समस्त सामान के साथ गोदाम को सील किया गया।

महाकुम्भः दक्ष पुलिस करेगी 45 करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा

महाकुम्भ नगर। योगी सरकार महाकुम्भ 2025 के आयोजन के लिए विभिन्न आयामों से तैयारी कर रही है। महाकुम्भ 2025 की सुरक्षा और सफलता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार कुम्भ मेला पुलिस, ड्यूटी में आये पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण और परीक्षा के जरिए दक्ष बनाने के लिए नवीन प्रयोग कर रही है। इसी क्रम में पुलिस कर्मियों की तैयारियों को परखने और उन्हें हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण सत्र और परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्रों में आपदा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं से व्यवहार और कुम्भ के धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर गहन जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के बाद आयोजित लिखित परीक्षा में पुलिस कर्मियों की तत्परता का मूल्यांकन किया जा रहा है, ताकि महाकुम्भ के दौरान सुरक्षा और सेवा का सर्वोत्तम मानक सुनिश्चित किया जा सके। वहीं लिखित परीक्षा में प्रशिक्षण के दौरान बताए गए विभिन्न आयामों से संबंधित सवालों को पूछा जा रहा है जिसमें आपदा से बचने, श्रद्धालुओं से व्यवहार और कुंभ के धार्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जा रहे है। कुम्भ मेला मे आये पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के लिए पूरी तरह तैयार करने के लिए उनकी क्लास चलाई जा रही है और उनकी तैयारियों को परखने के लिए उनकी परीक्षा भी कराई जा रही है। एसएसपी कुम्भ मेला राजेश कुमार द्विवेदी के अनुसार कुम्भ मेला ड्यूटी में आने वाले सभी पुलिस कर्मियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण क्लास चलाई जा रही है। जो सुरक्षा, आपदा और व्यावहारिक पहलुओं जैसे विभिन्न आयामों पर आधारित है। इसके बाद क्लास में बताई गई जानकारी के अनुसार उनकी परीक्षा करायी जा रही है, जिसमे कुम्भ मेला में आपदा को पहचानना, आपदा की स्थिति में त्वरित समाधान , रास्तो की जानकारी ,कुम्भ की आध्यात्मिक एवं धार्मिक जानकारी, और भौगोलिक स्थितियों से संबंधित सवाल पूछे जा रहे है।पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षण संदीप वर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्र का प्रारूप बहुविकल्पीय है। 100 नंबर के प्रश्न पत्र में 20 सवाल पूछे जा रहे है। परीक्षा का समय एक घंटे निर्धारित है। परीक्षा में फेल होने पर उनको दोबारा तीन दिनों का प्रशिक्षण क्लास करने और परीक्षा देने का प्रावधान है। जिससे पुलिस कर्मी कुंभ में ड्यूटी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए।कुशीनगर से आए इंस्पेक्टर विनय कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद परीक्षा देने से हम लोगों को कुम्भ की भली–भांति जानकारी हो गई है। अब पुलिस मेले की ड्यूटी के लिए पूर्णतया तैयार है। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर संजय कुमार चौबे ने बताया कि यहां आने पर महाकुम्भ के बारे में नई जानकारियां मिली है, जो ड्यूटी में सहायक होंगी। महिला कांस्टेबल स्वेतलाना मौर्य ने बताया कि पूरे पुलिस फोर्स को इस तरह से ट्रेंड किया जा रहा है, जिससे असली परीक्षा महाकुम्भ के शुरू होने पर वे डिस्टिंक्शन नंबरो से पास हो जाए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार ने बताया कि ष्महाकुंभ के दौरान पुलिसकर्मियों के लिये सभी तरह की ड्यूटी चुनौती पूर्ण होगी। इसके लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण और परीक्षा के माध्यम से हर तरह से तैयार किया जा रहा है, जिससे वो अपनी ड्यूटी से भिज्ञ रहते हुए किसी भी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें।ष

नगर आयुक्त ने बसवार प्लांट का निरीक्षण किया

प्रयागराज। आगामी महाकुंभ और स्वच्छ सर्वेक्षण के दृष्टिगत बुधवार को नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बसवार प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट में हो रहे कार्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त की। सभी वेंडरों को कार्य तेजी से पूर्ण करने का आदेश दिया। हरी भरी, अंकित ट्रेडर्स, बीवीजी इत्यादि वेंडरों को सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त, दीपेंद्र यादव, चीफ इंजीनियर सतीश कुमार, पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा, गिरीश, राम सक्सेना रहे ।

बहन के घर से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के नौगवा टेल के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घूरपुर थाना क्षेत्र के सुक्खू का पुरा गांव निवासी सचिन बिंद (20) मंगलवार को बाइक से अपनी बहन के घर कौंधियारा थाना क्षेत्र के खड़ियान गांव में गया था। उसके साथ गांव का ही एक युवक मंगल बिंद (25) भी था। दोनों बाइक से ही शाम को घर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक नौगवां टेल के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। जानकारी होने पर उनकी बहन मौके पर पहुंच गई। दोनों को प्रयागराज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां सचिन बिंद की मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो वह सन्न रह गए। परिवार के लोगों ने हादसा नहीं हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल इस संबंध में कोई तहरीर थाने में नहीं दी गई है। सचिन तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक, सरकार से जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घर में घुसकर तमंचे के बल पर सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। वहीं, पीड़िता व सरकार को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाबी हलफनामा तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज बजाज ने याची बृजेश कुमार व इंद्रजीत की ओर से दाखिल आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर अधिवक्ता विपिन गंगवार को सुनकर दिया है। यह चर्चित मामला बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र का है। पीड़िता याचियों के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंची थी। रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय पुलिस ने उसके पति को ही हवालात में बैठा दिया। वह गुहार लगाती रही, लेकिन पुलिस ने उसे नहीं छोड़ा। इससे आहत होकर महिला ने थाने के बाहर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके पति को छोड़ा और याचियों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया। पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के दबंगों ने घर में घुसकर तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। विरोध पर दबंगों ने उसे पीटा और जान से मारने की धमकी दी। विवेचना के बाद पुलिस ने याचियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इसे याचियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। अधिवक्ता विपिन गंगवार ने दलील दी कि पीड़िता के पति ने याचियों के पक्ष में एक जमीन का बैनामा कराया था। दोनों पक्षों के बीच दाखिल–खारिज का मुकदमा लंबित है। पक्षकारों के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर आपसी झगड़ा हुआ था। पीड़िता ने 2023 में छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी विवेचना में याची निर्दोष पाए गए हैं। इसके बाद पीड़िता ने 2024 में सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने में जहर खा लिया। इसके दबाव में पुलिस ने याचियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोप पत्र दाखिल कर दिया, जो अवैधानिक है।

एसआरएन में क्रिटिकल केयर यूनिट ने लिया आकार

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में 100 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट और डाग्नोस्टिक सेंटर आकार ले चुका है। दोनों यूनिट अगले साल मार्च तक शुरू हो जाएगी। इस अत्याधुनिक यूनिट में इलाज और जांच की एकीकृत व्यवस्था रहेगी। साथ ही पुरानी बिल्डिंग से ब्लड बैंक भी इसी यूनिट में शिफ्ट किया जाएगा। नई यूनिट अस्पताल परिसर के पहले स्थित महिला प्रशिक्षण केंद्र की जमीन पर बनाया गया है। इसमें मरीजों को महात्मा गांधी मार्ग से सीधे आने के लिए नया रास्ता बनाया जा रहा है। साथ ही अस्पताल परिसर में दीवार को तोड़कर इसके लिए नया रास्ता बनाया जाएगा। इसी कड़ी में अब अस्पताल परिसर से पोस्टमार्टम हाउस की तरफ जाने वाले रास्ते को बंद करने की तैयारी है। पोस्टमार्टम हाउस के लिए लोग गोबर गली से आएंगे। इससे अस्पताल परिसर में लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी।

विहिप के शिविर में 16 जनवरी से शुरू होगी गतिविधियां

प्रयागराज। महाकुम्भ के सेक्टर 14 में लगे विश्व हिंदू परिषद के शिविर मे 16 जनवरी से 25 फरवरी तक गतिविधियां संचालित होंगी। विहिप काशी प्रांत के प्रचार–प्रसार प्रमुख अश्विनी के अनुसार 16 से 18 जनवरी तक अखिल भारतीय मातृशक्ति ध दुर्ग वाहिनी अभ्यास वर्ग।

एनसीआरः महिला कल्याण संगठन द्वारा पिकनिक शिविर का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन मुख्यालय की ओर से टेण्डर फीट स्कूल एवं शिशु गृह के बच्चों के लिए पिकनिक शिविर का आयोजन रेलगाँव स्थित स्टेडियम, सूबेदारगंज में किया गया। संगठन की अध्यक्षा चेतना जोशी महोदया ने पिकनिक शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। संगठन द्वारा बच्चों के लिए खेल गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल एवं शिशु गृह के सभी बच्चों ने विभिन्न प्रकार के खेल गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने बड़ी संख्या में जोश व उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा चेतना जोशी की ओर से सभी बच्चों को गिफ्ट प्रदान किये गये। इस मौके पर टेण्डर फीट स्कूल की प्रधानाचार्या के साथ–साथ सभी शिक्षिकाएं एवं शिशु गृह की स्टाफ उपस्थित रहीं। संगठन की तरफ से सचिव ऋचा वर्मा, सुप्रिया सिन्हा, माधुरी सिंह, राखी जैन, अलका गर्ग, साधना कुमार, सुनीता भारती, वसुधा गुप्ता, युसरा यूसुफ उपस्थित रहीं।

बज्म-ए-विरासत में सजेगी सितारों की महफिल, पंडित हरि प्रसाद चौरसिया करेंगे उद्घाटन

प्रयागराज। बिशप जॉनसन स्कूल एंड कॉलेज में 20 दिसंबर से तीन दिवसीय बज्म– ए– विरासत में सितारों की महफिल सजेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्था के अध्यक्ष राम चारी ने बताया कि बांसुरी वादक पं. हरी प्रसाद चौरसिया कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। पहले दिन का मुख्य आकर्षण लंतरानी होगा। इसमें दारागंज, लोकनाथ और पुराने शहर की चर्चाएं होंगी। पुराने इलाहाबाद के किस्से और कहानियां में चर्चा में अभय अवस्थी, प्रो. धनंजय चोपड़ा, कमर आगा और आसिफ उस्मानी शामिल होंगे। वहीं, फिल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने बताया कि प्रयागराज आने के बाद अपना शहर लगता है। बज्म–ए–विरासत को कराने का मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों को अपनी संस्कृति से रू–ब–रू कराया जाए। वर्ष 1986 से पहले प्रयाग संगीत समिति में शॉर्ट फिल्म आयोजित होते थे। जहां कई देशों से लोग आते थे। रात भर रुककर मस्ती करते थे। उन्हीं पल को याद करके पहली बार बज्म–ए–विरासत शुरू होने जा रहा है। यह सबके प्रयास से हर साल आयोजित होगा। पद्मश्री शुभा मुदगल की संगीत प्रस्तुति होगी। वहीं, दूसरे सत्र में फिल्मों पर पैनल डिस्कशन होगा। इसमें कवि व कथाकार उदय प्रकाश, अभिनेत्री नंदिता दास, सुधीर मिश्र व निर्माता–निर्देशक अनुराग कश्यप हिस्सा लेंगे। बॉलीवुड के नामचीन निर्देशक व पटकथा लेखक अनुराग कश्यप को देखने और सुनने का अवसर मिलेगा। तीसरे सत्र में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन व मुशायरे में वसीम बरेलवी, अजहर इकबाल, संपत सरल व शाहिद अंजुम जैसी शख्सियतें शामिल होंगी। अंतिम दिन 22 दिसंबर को एक्टर्स टेबल नामक सत्र होगा। इसमें फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी, हास्य अभिनेता सौरभ शुक्ल और संजय मिश्र के साथ ही वेबसीरीज मिर्जापुर से चर्चित हुए अली फजल दर्शकों से रू–ब–रू होंगे।

अंग्रेजी व्याकरण के शब्दजाल में नहीं उलझेंगे छात्र, आसान होगा अनुवाद

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के छात्र अब अंग्रेजी ग्रामर के शब्दजाल नहीं उलझेंगे और अनुवाद भी आसान होगा। माध्यमिक शिक्षकों के लिए अंग्रेजी ग्रामर बुक तैयार की जा रही है, जो शिक्षकों के लिए एक रिफरेंस बुक होगी और बोर्ड के पाठ्यक्रम में ग्रामर संबंधी सभी टॉपिक्स को कवर करेगी। शिक्षक इस ग्रामर बुक की मदद से छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा का आसान बनाएंगे। समग्र शिक्षा अभियान के तहत इस सत्र के अंत तक इन्हें राज्य के प्रत्येक राजकीय माध्यमिक विद्यालय में उपलब्ध करा दिया जाएगा और अगले सत्र में यह सभी शिक्षकों के पास होगी। यह ग्रामर बुक इंग्लिश लैंग्वेज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ईएलआईटी) की ओर से तैयार की जा रही है और इसमें माध्यमिक व उच्च शिक्षण संस्थानों का सहयोग लिया जा रहा है। ग्रामर, राइटिंग स्किल्स (नोट राइटिंग, आर्टिकल राइटिंग, लेटर राइटिंग) और अनुवाद के लिए कोई प्रामाणिक पठन सामग्री उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में ईएलटीआई ने इस अकादमिक सत्र में सबसे पहले कक्षा 9–12 के लिए चार टीचर्स गाइड विकसित की, ताकि माध्यमिक शिक्षकों को नई पाठ्य पुस्तकों को पढ़ाने में सहूलियत हो। ईएलटीआई की ओर से अब माध्यमिक शिक्षकों के लिए जो अंग्रेजी ग्रामर की पुस्तक विकसित जा रही है, उसमें ग्रामर के विभिन्न पक्षों के साथ–साथ हिंदी–अंग्रेजी ट्रांसलेशन को भी शामिल किया गया है। हिंदी–अंग्रेजी अनुवाद में विद्यार्थियों को होने वाली वास्तविक समस्याओं को चिह्नित कर उनके निराकरण के लिए सामग्री दी जा रही है, जिससे परीक्षाओं में वे अनुवाद से भयभीत न हों और समझ कर अनुवाद कर सकें। पारंपरिक ग्रामर की पुस्तकों से हटकर इनमें व्याकरण के नियमों को ग्रामर के शब्दजाल से बचाते हुए बहुत आसान भाषा में दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को नियमों को रटना नहीं पड़ेगा और वे उन नियमों को समझकर स्वयं विभिन्न संदर्भों में प्रयोग कर सकेंगे।

इनमें समय के साथ अनुपयोगी हो गए नियमोंधविषय–वस्तु को सम्मिलित नहीं किया जा रहा है। इस कार्य में ईएलटीआई के अकादमिक स्टाफ शमा परवीन, कृष्णा कुमारी, रेशु सिंह, संदीप दुबे, कुलदीप पांडे के साथ जीजीआईसी कौशाम्बी व प्रयागराज से रश्मि प्रिया सिंह, रूचि त्रिपाठी, रश्मिता सिंह, एलबीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. संतोष शुक्ल व राजकीय पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विष्णु प्रताप सिंह योगदान दे रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के शिक्षकों द्वारा इसके पुनरीक्षण बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

ज्ञानवापी मामले में सुनवाई स्थगित, अब 24 फरवरी को होगी सुनवाई

प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट में ज्ञानवापी मामले में सुनवाई बुधवार को स्थगित हो गई। मामले की सुनवाई अब 24 फरवरी को होगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने बुधवार को चेंबर में मामले की सुनवाई की। इस संबंध एक और याचिका दाखिल की गई है। जिसे राखी सिंह की याचिका के साथ कनेक्ट कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में वार्शिप एक्ट मामले में चल रही सुनवाई को भी न्यायालय ने संज्ञान लिया है।

गोवा की तर्ज पर पैरामोटर व हॉट एयर बैलून का ले सकेंगे मजा, जनवरी में से शुरू होगा एडवेंचर स्पोर्ट्

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रयागराज एडवेंचर स्पोर्ट्स ने प्लान तैयार किया है। मेला क्षेत्र में पहली बार गोवा की तर्ज पर पैरामोटर और हॉट एयर बैलून की ऊंचाई पर उड़ाए जाएंगे। कंपनी के संयोजक दिनेश शुक्ला ने बताया कि इसे महाकुंभ के पहले हफ्ते में शुरू किया जाएगा। पैरामोटर का टिकट 3,500 और हॉट एयर बैलून का 1,500 रुपये होगा। शहर में यह सुविधा फिलहाल पांच वर्षों के लिए उपलब्ध रहेगी। पर्यटन विभाग से भी कंपनी को ऑपरेट करने का लाइसेंस मिल गया है। कंपनी दो पैरामोटर और दो हॉट एयर बैलून के साथ अपनी सेवा की शुरुआत करेगी। यह एडवेंचर सलोरी के पूर्व दिशा में उड़ान की सेवा देगी। इसे लेकर कंपनी को रक्षा मंत्रालय से एनओसी मिल गई है। इसमें पैरामोटर 500 फीट और हॉट एयर बैलून 300 फीट की ऊंचाई पर उड़ाया जाएगा। शुक्ला ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए दो प्रशिक्षित पायलट रखे गए हैं। यह पायलट किसी भी ऊंचाई से पैरामोटर और हॉट एयर बैलून को संचालन करने में पूरी तरह से सक्षम है। पैरामोटर पर पायलट के साथ एक और हॉट एयर बैलून पर पायलट के साथ दो लोग बैठ सकेंगे। एडवेंचर को संचालित करने को लेकर 25 दिसंबर को बैठक होगी। इसमें पैरामोटर और हॉट एयर बैलून के फाइनल टिकट रेट तय होने के साथ ही छूट पर भी चर्चा होगी। महाकुंभ के शुरुआती दो हफ्ते तक टिकट पर छूट मिलेगी।

बाइक बेचकर प्रेमिका को लेकर भागा युवक

प्रयागराज,। कौशाम्बी का एक युवक एक किशोरी को बहलाफुसलाकर भगा ले गया है। इसलिए उसने अपने पिता की बाइक 18 हजार रुपये में बेच दी। दोनों का पता नहीं चल रहा है। किशोरी के पिता सेना में हैं। उसकी मां ने कीडगंज थाने में किशोरी को बहलाफुसलाकर भगा ले जाने के प्रकरण में कौशाम्बी के शनि के मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि शनि के दोस्त ने उनको कॉल करके बताया कि उससे भी एक हजार रुपये लिया था। कीडगंज पुलिस सर्विलांस की मदद से किशोरी और आरोपित शनि की लोकेशन ट्रेस कर रही है।

अंडाशय कैंसर का जटिल ऑपरेशन कर महिला की बचाई जान

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में ओवरी (अंडाशय) में कैंसर से पीड़ित एक महिला का जटिल ऑपरेशन करके उसे नया जीवन दिया गया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062